आरोप | करोड़ों का बोनस हड़पने का आरोप

ओपीएम में लकड़ी घोटाला, आधे घंटे में लोडिंग-अनलोडिंग का खेल

प्रदीप शर्मा

अमलाई-शहडोल नव भारत । एशिया की प्रतिष्ठित मानी जाने वाली ओरिएंट पेपर मिल (OPM) इन दिनों उत्पादन नहीं, बल्कि कथित भ्रष्टाचार और 'कागजी जादू' को लेकर सुर्खियों में है। यहां लकड़ी सप्लाई से जुड़े एक बड़े खेल का खुलासा हुआ है, जिसमें माफिया और तंत्र की मिलीभगत से करोड़ों रुपये के गड़बड़झाले के आरोप सामने आए हैं।

सूत्रों के अनुसार, एक ही वाहन (पिकअप) को महज 30 मिनट के भीतर मिल परिसर में लकड़ी की लोडिंग और अनलोडिंग करते हुए दर्ज कर दिया गया। तकनीकी रूप से जो प्रक्रिया घंटों लेती है, उसे कागजों में मिनटों में पूरा दिखाना साफ तौर पर फर्जी बिलिंग और राजस्व को चूना लगाने की ओर इशारा करता है। इस कथित फर्जीवाड़े से जीएसटी में भी भारी अनियमितता की आशंका जताई जा रही है।

सबसे गंभीर आरोप किसानों के हक पर डकैती को लेकर हैं। बताया जा रहा है कि लकड़ी सप्लाई करने वाले किसानों के नाम पर मिलने वाले बोनस में बड़ा खेल किया गया है। जिन किसानों को उनकी मेहनत का उचित लाभ मिलना चाहिए था, उनकी रकम कथित तौर पर बिचौलियों और माफियाओं की जेब में पहुंच रही है। इससे क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश है। मामला अब अमलाई थाना और संबंधित विभागों तक पहुंच चुका है। जीएसटी और आयकर विभाग भी इस पूरे प्रकरण पर नजर बनाए हुए हैं। सवाल यह उठ रहा है कि मिल प्रबंधन, सुरक्षा अधिकारी और वजन कांटा संचालन से जुड़े कर्मचारी इस पूरे खेल से अनजान कैसे रह सकते हैं? क्या यह सब उनकी मिलीभगत के बिना संभव है?

निष्पक्ष जांच की मांग

यदि आरोपों की निष्पक्ष जांच होती है, तो यह मामला करोड़ों के घोटाले के रूप में सामने आ सकता है। अब सबकी निगाहें प्रशासन और जांच एजेंसियों पर टिकी हैं

अक्षय तृतीया पर 198 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

सादगीपूर्ण विवाह को बढ़ावा, नवदंपतियों को मिली 51 हजार की सहायता

शहडोल, नवभारत । जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम पंचायत रसपुर में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में 198 जोड़ों ने वैदिक रीति-रिवाज और मंत्रोच्चारण के बीच सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत की। समारोह में पारंपरिक संस्कृति और सामाजिक एकता की सुंदर झलक देखने को मिली। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवदंपतियों को माला पहनाकर, पुष्पवर्षा कर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शरद कोल ने कहा कि सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता और सद्भाव का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज में समानता, सादगी और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि अक्षय तृतीया जैसे शुभ दिन पर किया गया यह आयोजन नवदंपतियों के जीवन में सुख-समृद्धि लाएगा। वहीं जनपद अध्यक्ष आकांक्षी सिंह ने कहा कि सामूहिक विवाह का उद्देश्य सादगीपूर्ण और आदर्श विवाह को बढ़ावा देना तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि इस पहल से सामाजिक एकता मजबूत होती है और दहेज जैसी कुरीतियों के खिलाफ सकारात्मक संदेश जाता है। कार्यक्रम के दौरान नवदंपतियों को योजना के तहत 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता के प्रतीक स्वरूप चेक एवं गृहस्थी की आवश्यक सामग्री भी प्रदान की गई, जिससे वे अपने नए जीवन की शुरुआत सहजता से कर सकें।

स्वच्छता सर्वेक्षण : धनपुरी में फॉगिंग अभियान तेज

मच्छरजनित बीमारियों पर कसा शिकंजा

शहडोल, नवभारत। स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 के तहत नगर पालिका धनपुरी द्वारा शहर को स्वच्छ एवं मच्छरजनित बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर के निर्देशन में नगर के विभिन्न वार्डों में नियमित रूप से फॉगिंग मशीन के माध्यम से मच्छररोधी दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य मच्छरों के प्रसार पर नियंत्रण स्थापित करना और मलेरिया, डेंगू जैसी गंभीर बीमारियों से नागरिकों को सुरक्षित रखना है। लगातार किए जा रहे

छिड़काव से मच्छरों के प्रजनन पर प्रभावी रोक लग रही है, जिससे आमजन को राहत मिल रही है। प्रशासन के अनुसार यह पहल जनस्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। फॉगिंग के साथ-साथ नगर पालिका द्वारा जनजागरूकता गतिविधियों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। मैदानी अमला वार्डों में पहुंचकर लोगों को मच्छरों से बचाव के उपायों की जानकारी दे रहा है। नागरिकों को घरों और आसपास पानी जमा न होने देने, कूलर एवं टंकियों का पानी नियमित बदलने तथा साफ-सफाई बनाए रखने की समझाइश दी जा रही है।नगर पालिका के इन समन्वित प्रयासों से शहर में स्वच्छता का स्तर लगातार बेहतर हो रहा है और लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है। स्थानीय नागरिकों ने इस अभियान की सराहना करते हुए इसे शहर को स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। नगर पालिका धनपुरी का यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि शहर को मच्छरजनित बीमारियों से मुक्त रखते हुए स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित किया जा सके।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित

नवभारत, जबलपुर । सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गढ़ा फाटक में वर्ष 2026 की हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय संचालन समिति के पदाधिकारियों द्वारा विद्यार्थियों का तिलक वंदन, माल्यार्पण एवं मिष्ठान वितरण कर सम्मान किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ एवं आशीर्वाद प्रदान किया गया। मेधावी छात्रों में हर्ष गुप्ता, नित्या जायसवाल, पियूष जाटव, सात्विक नामदेव, आर्या जायसवाल, आयुषी दुबे, राखी केशरवानी का सम्मान किया।

नारी सशक्तिकरण अधिनियम का विरोध

कांग्रेस की महिला विरोधी मानसिकता

धनपुरी, नवभारत। नारी शक्ति वंदन अधिनियम(महिला आरक्षण बिल)के कार्यान्वयन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के लोकसभा से पारित न होने पर नगर पालिका अध्यक्ष रविंद्र कौर छाबड़ा ने कांग्रेस व विपक्षी दलों पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम को असफल करने और महिला सशक्तिकरण में बाधा डालने का रूप लगाते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा 33./. परसेंट आरक्षण के ऐतिहासिक कदम को रोककर कांग्रेस व विपक्ष ने महिलाओं के साथ विश्वास घात किया है श्रीमती छावड़ा ने कहा कि

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि महिलाओं को वास्तविक राजनीति भागीदारी देने का समय आया तब विपक्ष पीछे हट गया इससे साफ हो गया है कि उनके द्वारा महिला सशक्तिकरण केवल भाषणों तक सीमित है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का यह निर्णय साधारण नहीं बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को सीचने वाला है अब तक हम पुराने जनगणना के आधार पर चल रहे परिसीमन को ढो रहे थे यह अधिनियम हमारी बहनों के लिए वह द्वार खोलना जहां से आधी आबादी को शासन और नीति निर्धारण मैं अपना पूरा अधिकार देता श्रीमती छाबड़ा ने कहा कि कांग्रेस की नीति और नियत में हमेशा खोट रहा है जो बेनकाब हो चुका है जी बिल को सर्वसम्मति से पारित कर एक उत्सव की तरह मनाया जाना चाहिए था वही इस अधिनियम का विरोध करना महिला विरोधी मानसिकता का प्रमाण है।

सरकार महिला सशक्तिकरण को लेकर प्रतिबद्ध

भाजपा की सरकार महिला सशक्तिकरण को लेकर प्रतिबद्ध है हम राजनीति के लिए काम नहीं करते यह अधिनियम महिलाओं के सम्मान और भागीदारी का वह नया अध्याय है जिसे अब कोई भी नकारात्मक राजनीति रोक नहीं पाएगी कांग्रेस व विपक्ष ने अपनी स्वार्थपूर्ण राजनीति के लिए नारी सशक्तिकरण विधेयक का जो विरोध किया है उसे देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी केंद्र की भाजपा सरकार महिला सशक्तिकरण के उत्थान समाज में उनकी भागीदारी और सम्मान के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेगी.

एक नजर में

आओ बचाएं जल, सुरक्षित करें कल

बुढार नवभारत। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल बचाने, संरक्षित करने एवं जल का महत्व बताने हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी अनुक्रम में जनपद पंचायत बुढार अंतर्गत ग्राम जरवाही के नारायण कुंड में जन अभियान परिषद के सदस्यों द्वारा साफ सफाई का कार्य किया गया। उक्त कार्य में जिला समन्वयक जन अभियान परिषद श्री विवेक पांडेय,नवांकुर संस्था से श्रीमती मीनू जैन, रोहणी वर्मन, पूर्णिमा मुखर्जी, प्रस्फुटन समिति से विनोद यादव, संजीत केवट, आरती कुशवाहा, आरती सिंह, ममता सिंह, प्रियंका वरगाही ,खुशनुमा खान सहित अन्य लोगों ने श्रमदान में सहभागिता निभाई ।

गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने चलाया गया हस्ताक्षर अभियान

बुढ़ार,नवभारत। गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए गौ सेवकों द्वारा शासकीय महाविद्यालय डिग्री कॉलेज बुढार में बृहद रूप से हस्ताक्षर अभियान चलाया गया एवं जनसंवाद के माध्यम से आगामी 27 अप्रैल को गौ सेवकों वह साधु संतो के द्वारा तहसील स्तर में माननीय राष्ट्रपति प्रधानमंत्री महामहिम राज्यपाल व मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र सौंपेंगे जिसमें मांग की जाएगी गौ सेवा,गौ सुरक्षा, व उसके उत्थान के लिए कानून लाया जाए यह अभियान पूरी तरह से गैर राजनीतिक व किसी भी दल व संगठन द्वारा नहीं चलाया जा रहा यह करोडो गौ भक्तों का अभियान है जो गौ माता मे अपनी आस्था रखते है व उसे एक पशु नहीं बल्कि माँ का दर्जा देते हैं यह अभियान आस्था के साथ साथ ही करोड़ों लोगों की भावनाओं से भी जुडा है गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग हमेशा से की जाती रही है लेकिन आज तक किसी भी सरकार ने इस पर कोई ठोस व सख्त कानून नहीं बनाया है यह अभियान तब तक चलता रहेगा जब तक केंद्र की सरकार व राज्य की सरकार द्वारा इस पर कोई निर्णायक कम नहीं उठाया जाता।

मेगा रिटेल लोन आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

नवभारत, जबलपुर । पंजाब नेशनल बैंक द्वारा शनिवार को राइट टाउन स्टेडियम, जबलपुर में एक भव्य मेगा रिटेललोन आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विधायक, जबलपुरकैंट, अशोक रोहानी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभिन्न कार डीलर्स, शहर के अग्रणी बिल्डर्स एवं डेवलपर्स नेभाग लिया, जहां स्थानीय नागरिकों ने विभिन्न प्रॉपर्टी विकल्पों एवं ऋण प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तृत जानकारीप्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान अनेक ग्राहकों को इन-प्रिंसिपल सैंक्शन लेटर भी प्रदान किए गए, जिससे ग्राहकों मेंउत्साह देखा गया। यह कार्यक्रम पंजाब नेशनल बैंक के प्रधान कार्यालय से पधारे महाप्रबंधक अजय कुमार सिंह, सर्किल प्रमुख प्रबुद्ध शर्मा, उप सर्किल प्रमुख लोकेश अग्रवाल, एमसीसी प्रमुख रजत बोरदिया, पीएलपी रैम प्रमुखसचिन श्रीवास्तव तथा जबलपुर जिले के समस्त शाखा प्रमुखों की गरिमामयी उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शिकायत होने पर ही जागते हैं अफसर, शहडोल में जिम्मेदारी या सिर्फ औपचारिकता?

हर विभाग का एक ही रटा-रटाया जवाब, आपके माध्यम से मामला संज्ञान में आया है', आखिर निगरानी तंत्र कहां है?

(सुनील मिश्रा)

शहडोल, नवभारत। जिले में प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर एक बड़ा सवाल खड़ा हो रहा है। जब भी पत्रकारों द्वारा किसी विभाग में चल रहे अनैतिक या अवैध कार्यों की जानकारी दी जाती है, तो संबंधित अधिकारियों का लगभग एक जैसा जवाब सामने आता है मामला आपके माध्यम से संज्ञान में आया है, दिखवाते हैं, जांच करवाई जाएगी, अनियमितता पाए जाने पर कार्यवाही की जाएगी। चाहे मामला राजस्व विभाग का हो, पुलिस प्रशासन, आबकारी, शिक्षा विभाग, आदिम जाति कार्य विभाग, महिला एवं बाल विकास या किसी अन्य विभाग काकृजवाब की यह स्क्रिप्ट मानो पहले से तय रहती है।

क्या सिर्फ शिकायत पर ही चलता है प्रशासन?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या शासन ने जिम्मेदार अधिकारियों को सिर्फ इसलिए नियुक्त किया है कि वे शिकायत आने का इंतजार करें? क्या उनके पास अपने स्तर पर निगरानी और जांच की कोई व्यवस्था नहीं है? यदि हर अनियमितता पत्रकारों या आम नागरिकों के माध्यम से ही सामने आएगी, तो फिर विभागीय निरीक्षण, फील्ड विजिट और आंतरिक मॉनिटरिंग का क्या औचित्य रह जाता है?

जमीनी हकीकत से बेखबर तंत्र

जिले में लगातार ऐसे मामले सामने आते हैं, जिनमें महीनों या वर्षों से अनियमितताएं चल रही होती हैं, लेकिन संबंधित विभाग को इसकी भनक तक नहीं होती, क्या फिर जानबूझकर अनदेखी की जाती है। जब मामला उजागर होता है, तो वही घिसा-पिटा जवाबकृ संज्ञान में आया है, जांच कराएंगे। इससे यह साफहोता है कि या तो अधिकारी जमीनी हकीकत से कटे हुए हैं या फिर जिम्मेदारी से बचने का यह एक सुविधाजनक तरीका बन चुका है।

जवाबदेही से बचने का आसान रास्ता?

प्रशासनिक हलकों में यह भी चर्चा है कि जांच कराएंगे जैसे बयान देकर अधिकारी तत्कालिक दबाव से बच जाते हैं। बाद में या तो जांच लंबित रहती है या कार्रवाई ठंडे बस्ते में चली जाती है। इससे न केवल भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है, बल्कि आम जनता का भरोसा भी लगातार कमजोर होता जा रहा है। प्रशासनिक तंत्र पर उठ रहे गंभीर सवाल, क्या विभागीय अधिकारी नियमित निरीक्षण नहीं करते ?क्या उन्हें अपने क्षेत्र की गतिविधियों की जानकारी नहीं होती ?या फिर जानबूझकर आंखें मूंद ली जाती हैं? ये सवाल अब आम जनता के साथ-साथ जागरूक वर्ग और पत्रकारों के बीच भी चर्चा का विषय बन चुके हैं।

सिर्फ बयान नहीं, कार्रवाई चाहिए

अब समय आ गया है कि प्रशासन केवल संज्ञान में आया है जैसे बयान देने की बजाय ठोस और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करे। यदि हर बार मीडिया के माध्यम से ही अनियमितताएं उजागर होंगी, तो यह सीधे-सीधे प्रशासनिक विफलता मानी जाएगी। शासन को भी इस व्यवस्था की समीक्षा कर जवाबदेही तय करनी चाहिए। शहडोल में प्रशासनिक जवाबदेही पर उठते सवाल यह संकेत दे रहे हैं कि सिस्टम में कहीं न कहीं गंभीर खामियां हैं। अब जरूरत है कि जिम्मेदार अधिकारी अपनी भूमिका को समझें और सक्रिय होकर कार्य करेंकृताकि संज्ञान में आया है जैसी औपचारिकता की जगह वास्तविक कार्रवाई नजर आए।

बढ़ती गर्मी से सतर्क रहें, लू से बचाव के लिए बरतें जरूरी सावधानियां

शहडोल, नवभारत। गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने आमजन से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। सीएमएचओ ने जानकारी दी कि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है तथा हीट वेव (लू) से बचाव के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। आमजन को सलाह दी गई है कि तेज धूप में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें, हल्के व ढीले कपड़े पहनें और सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें।

उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में अधिक मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है। साथ ही नींबू पानी, छाछ, लस्सी जैसे ठंडे पेय पदार्थों का सेवन करें, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो। बाहर से आने के तुरंत बाद ठंडा पानी पीने से बचें और शरीर को सामान्य तापमान पर आने दें।डॉ. मिश्रा ने विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों का ध्यान रखने की अपील की है। तेज बुखार, चक्कर, उल्टी या अत्यधिक कमजोरी महसूस होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी गई है।उन्होंने बताया कि जिले के शासकीय, अशासकीय संस्थानों और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को लू से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। सभी स्वास्थ्य केंद्रों में दवै, पर्याप्त पेयजल और आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। सीएमएचओ ने अंत में आमजन से अपील की है कि गर्मी के मौसम में सतर्क रहें और किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें, ताकि गंभीर स्थिति से बचा जा सके।

पहल | धनपुरी को मिल रहा नया सौंदर्यात्मक आयाम

स्वच्छता, सौंदर्य और जनसरोकार अद्भुत संगम का साक्षी बना

धनपुरी,नवभारत । स्वच्छता, सौंदर्य और जनसरोकार—इन तीनों के अद्भुत संगम का साक्षी बन रहा है धनपुरी नगर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत नगर पालिका धनपुरी के प्रयासों से शहर के सार्वजनिक स्थलों का कायाकल्प जिस सृजनात्मकता और संवेदनशीलता के साथ किया जा रहा है, वह न केवल विकास की नई परिभाषा गढ़ रहा है, बल्कि नगरवासियों के जीवन में आनंद और आत्मीयता का नया अध्याय भी जोड़ रहा है।

इस अभिनव पहल के केंद्र में हैं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर और कौर छाबड़ा मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर, जिनकी दूरदर्शिता और समन्वित कार्यशैली ने 'कबाड़ से जुगाड़' की थीम को एक सजीव और प्रेरणादायक रूप प्रदान किया है। परित्यक्त और अनुपयोगी सामग्री को सृजनात्मक कला में परिवर्तित कर बाल उद्यान का जो रूपांतरण किया जा रहा है, वह पर्यावरण संरक्षण और नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है।

यह बाल उद्यान अब केवल एक मनोरंजन स्थल नहीं, बल्कि ज्ञान, स्वास्थ्य और रचनात्मकता का केंद्र बनता जा रहा है। यहां बच्चों के लिए आकर्षक झूले, रंग-बिरंगे संरचनात्मक मॉडल, और स्वास्थ्यवर्धक तथा ज्ञानवर्धक पजल्स की व्यवस्था की जा रही है, जिससे उनका मानसिक और शारीरिक विकास एक साथ सुनिश्चित हो सके। यह प्रयास इस बात का प्रमाण है कि यदि सोच सकारात्मक हो, तो कबाड़ भी सृजन का आधार बन सकता है।

पार्कों को पुनजीर्वन मिला

नगर के बंद पड़े पार्कों का पुनर्जीवन भी इस अभियान की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। सोहागपुर एरिया अंतर्गत ऐसे कई उपेक्षित स्थलों को फिर से संवारकर हरियाली, पुष्पों की सुवास और स्वच्छ वातावरण से परिपूर्ण किया जा रहा है। आने वाले समय में ये स्थल न केवल बच्चों की किलकारियों से गूंजेंगे, बल्कि महिलाओं और बुजुर्गों के लिए भी सुकून, ध्यान और आत्मिक शांति के केंद्र बनेंगे।

इस परिवर्तन की बयार ने नगरवासियों के हृदय में उत्साह और गर्व की भावना जागृत कर दी है। जहां एक ओर बच्चे नए उद्यान में खेलने को लेकर उत्साहित हैं, वहीं बुजुर्गों को भी एक शांत, स्वच्छ और हरित वातावरण में समय व्यतीत करने का अवसर मिलेगा। यह पहल सामाजिक समरसता और सामुदायिक सहभागिता का भी सशक्त प्रतीक बन रही है।

धनपुरी का कायाकल्प

केवल भौतिक परिवर्तन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अनुभूति भी है—जहां स्वच्छता, सौंदर्य और संवेदनशीलता मिलकर एक नए युग का सृजन कर रहे हैं। सच ही कहा गया है—जब संकल्प सशक्त हो, तो परिवर्तन अवश्यंभावी होता है। धनपुरी आज उसी परिवर्तन की जीवंत मिसाल बन रहा है।

अभियान को और अधिक प्रभावशाली बना रहे

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छाबड़ा और मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर के नेतृत्व में नगर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने का जो संकल्प लिया गया है, वह अब मूर्त रूप लेता दिखाई दे रहा है। वहीं, एसईसीएल प्रबंधन का सहयोग इस अभियान को और अधिक प्रभावशाली बना रहा है।